



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 2—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 247]
No. 247]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 11, 1987/वैशाख 21, 1909
NEW DELHI, MONDAY, MAY 11, 1987/VAISAKHA 21, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 11 मई, 1987

अधिसूचना

(वाणिज्य पोत परिवहन)

सा.का.नि. 473 (अ).—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 74 की उप धारा (2) के खण्ड (क) और खण्ड (ख) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना:—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पोत परिवहन (पोत टनभार मापन) नियम, 1987 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

(3) ये भारत में रजिस्ट्रीकृत या रजिस्ट्रीकृत होने वाले निम्नलिखित वर्णन के प्रत्येक पोत को लागू होंगे, अर्थात्—

(क) नया पोत :

(ख) विद्यमान पोत, जिनमें ऐसे परिवर्तन या सुधार किए जाते हैं जिन्हें मुख्य सर्वेक्षक उनके विद्यमान कुल टनभार में सार-वात फेर फार समर्थ :

(ग) विद्यमान पोत, यदि उनका स्वामी लिखित रूप में ऐसा अनु-रोध करता है, और

(घ) सभी अन्य विद्यमान पोतों को 18 जुलाई, 1994 से।

2. परिभाषाएँ—

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) "अधिनियम" से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है।

(ख) "परिमिष्ट" से इन नियमों के परिशिष्ट अभिप्रेत है,

(ग) "बोझाई" से पोत मध्य से धातु खोल वाले किसी पोत के ड्राई की ढली रेखा और पोत के किसी अन्य सामग्री के खोल वाले पोत के हल के बाह्य पृष्ठ भाग तक मापी गई अधिकतम बोझाई अभिप्रेत है।

(घ) "ब्रेक" से ऊपरी रुक रेखा के ऊपर का स्थान जब डंक भरा है और उच्चतर उठाने पर भी भरा रहती है, अभिप्रेत है।

(ङ) "स्थोरा स्थान" से स्थोरा परिवहन के लिए विनियोजित परिशिष्टित स्थान जिन्हें सकल टन भार की संगणना में सम्मिलित किया गया है और सर्वेक्षक द्वारा सी सी (कार्गो कम्पार्टमेंट) छुहरों से ऐसे स्थान पर इस प्रकार स्थाई बिह्वंकित द्वारा प्रमाणित किया गया है कि वे सुरक्षित बिह्वॉर्ड हैं और उसकी ऊंचाई 100 मिमी मीटर के कम हो, अभिप्रेत है।

- (क) "मुख्य सर्वेक्षक के पोत परिवहन महाविभाग, मुम्बई के कार्यालय का मुख्य सर्वेक्षक या उप मुख्य सर्वेक्षक या उप मुख्य पोत सर्वेक्षक अभिप्रेत है,
- (ख) "कमी वन" से नाविक और शिशु अभिप्रेत है,
- (ग) "परिवेष्टित स्थान" के अन्तर्गत वे सभी स्थान आते हैं जो पोत हल द्वारा, स्थिर या बहुतीय पाटिशनों या पोतमीनों द्वारा, हुकों या स्थायी या जंगम सायवान से भिन्न भावकों द्वारा परिबद्ध है, यद्यपि डंक का कोई ड्रेक, पोत हल का या डंक में या किसी स्थान के आवरण में या पाटिशनों में या किसी स्थान के सायवान का कोई द्वार या पाटिशन या पोत-भीटा का अभाव किसी स्थान को परिवेष्टित स्थान के अन्तर्गत जाने से प्रचारित नहीं करेगा।
- (घ) (1) "प्रभाषित स्थान" से निम्न लिखित वर्णन के स्थान अभिप्रेत है, अर्थात्—
- (क) (i) पाणेश के बीमा की गहराई के 25 मिलीमीटर से अनधिक गहराई की परदा प्लेट के लिए द्वार से भिन्न डंक से डंक तक विस्तारित होने वाले भूमि द्वार, जिसकी चौड़ाई ऐसे स्थान के द्वार की रेखा पर डंक की चौड़ाई के 90 प्रतिशत के बराबर या उससे अधिक हो, के सामने की रचना के बीच का स्थान। यह उपबन्ध केवल परिवेष्टित स्थानों से इस प्रकार प्रचारित स्थान, जो वास्तविक अंतिक द्वार और इस द्वार से दूरस्थ द्वार की रेखा या मुख्य द्वार तक, खोखी गई समान्तर रेखा जो द्वार की रेखा पर डंक की चौड़ाई के आधे के बराबर हो, के बीच के स्थान की लागू होगा (परिशिष्ट 1 में प्राकृति 1 देखिए)
- (ii) यदि स्थान की चौड़ाई किसी व्यवस्था (बाह्य प्लेटिंग के अभिप्रेत से भिन्न) के कारण डंक की चौड़ाई के 90 प्रतिशत से कम हो जाए तो केवल द्वार की रेखा और बिन्दु से, जहाँ पोत पर द्वार फर के स्थान की चौड़ाई डंक की चौड़ाई के बराबर या 90 प्रतिशत से कम हो जाती है, खोखी गई रेखा के बीच का स्थान परिवेष्टित स्थानों के आयतन से प्रचारित किया जाएगा। (परिशिष्ट 1 में प्राकृति 2, 3 और 4 देखिए)
- (iii) जहाँ बीच की दूरी, अडवाल या खुली छड़ में भिन्न जो पूर्णतया खुला हो और किन्हीं दो को पृथक करता हो तो उनमें से एक या दोनों का उपवर्णन उप-खण्ड (क) (1) और या (क) (2) के अन्तर्गत अनुज्ञेय है, यदि उन दो स्थानों के बीच पृथक्करण उसके मार्ग में डंक के कम वाले आधे से कम हो तो ऐसा उपवर्णन लागू नहीं होगा (परिशिष्ट 1 में प्राकृतियाँ 5 और 6 देखिए),
- (ख) ऊपरी डंक आवरण, जो समुद्र और आकाश के लिए खुला होता है, जिसका उसके आधार के लिए लगाए गए आवश्यक खूंटों के सिवाय खुली बाजूओं पर पोत के ढाँचे के साथ अन्य कोई संवन्ध नहीं होता, के बीच का स्थान ऐसे स्थान में खुली छड़ें या अडवाल और परदा प्लेट लगाई जा सकेंगी या पोत की बाजू पर खुले खूंट लगाए जा सकेंगे परन्तु छड़ी या अडवाल के शीर्ष और परदा प्लेट के बीच की दूरी 0.75 मीटर या उस स्थान की ऊँचाई के एक तिहाई, जो भी अधिक हो, की होगी। (परिशिष्ट 1 में प्राकृति 7 देखिए)
- (ग) विपरित दिशा के खुले द्वार के मोधे मार्ग में बाजू से बाजू तक रचना के स्थान की ऊँचाई के 0.75 मीटर से या रचना की ऊँचाई के एक तिहाई जो भी अधिक हो, से कम नहीं होगी। यदि ऐसी रचना में द्वार की व्यवस्था एक ही ओर की गई हो, तो परिवेष्टित स्थानों के आयतन से अपवर्जन
- स्थान, द्वार से द्वार के मार्ग डंक की चौड़ाई के अधिकतम आधे तक, फलक पर सीमित होगी (परिशिष्ट 1 में प्राकृति 8 देखिए)
- (घ) ऊपरी डंक में आवरण रहित द्वार के ठीक नीचे का स्थान परन्तु यह तब जब कि मुख आकाश की ओर खुला हो और परिवेष्टित स्थानों से अवर्जित स्थान द्वार के क्षेत्रफल तक सीमित हो। (परिशिष्ट 1 प्राकृति 9 देखिए)
- (ङ) रचना की सीमा में होने वाला स्प्रिंग जो आकाश की ओर खुला हो और जिसका द्वार बंद करने के साधन के बिना डंक से डंक तक विस्थापित हो, परन्तु उसकी शंकर की चौड़ाई उसके प्रवेश की चौड़ाई से अधिक न हो और रचना में उसका विस्तार उसके प्रवेश की चौड़ाई के दुगुने से अधिक न हो (परिशिष्ट 1 में प्राकृति 10 देखिए) और ऐसे स्थानों को परिवेष्टित स्थानों के आयतन में सम्मिलित नहीं किया जाएगा सिवाय इसके कि ऐसा कोई स्थान जो निम्नलिखित तीन शर्तों में से कम से कम एक शर्त को पूरा करे तो उसे परिवेष्टित स्थान के रूप में माना जाएगा—
- (1) वह स्थान तिनमें स्प्रिंग या भंडार रखने के लिए शल्फ या अन्य साधन लगाए गए हैं,
 - (2) खुले द्वार जिसमें बंद करने के कोई साधन लगाए हैं,
 - (3) ऐसे द्वार को बंद करने की कोई व्यवस्था रचना में की गई है।
- (च) "विद्यमान पोत" से ऐसा पोत अभिप्रेत है जो नया पोत नहीं है
- (ट) सकल टन भार से नियम 3 के अनुसार अवधारित पोत संपूर्ण आकार का माप अभिप्रेत है,
- (ठ) "टन भार मापन अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमय" से 23 जून, 1969 को लंदन में हुई पोत टन भार मापन अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमय का अंतिम एकद, 1969 अभिप्रेत है,
- (ड) "लंबाई" से नौतन (कॉल) के शीर्ष से कम से कम खड़ी गहराई के 85 प्रतिशत पर जल रेखा पर मापित कुल लंबाई का 96 प्रतिशत या पोताग्र के अग्र भाग से उस जल रेखा पर उबर स्टाक के अधनक की लम्बाई, यदि वह अधिक हो अभिप्रेत है। नौतन के मुकाबल मलिन डिजाइन वाले पोतों में जल रेखा, जिस पर वह लंबाई माप जाती है डिजाइन की गई जल रेखा के समानान्तर होगी।
- (ड) "भार रेखा निबन्ध" से वाणिज्य पोत परिवहन (भार रेखा) नियम, 1979 अभिप्रेत है,
- (ण) "खड़ी गहराई" से—
- (क) नौतन के शीर्ष से ऊपरी डंक की बाजू पर नीचे की ओर तक मापित उर्ध्व दूरी तकड़ी और मिश्रित पोतों में यह दूरी नौतन के खाँचे के निम्न किनारे से माप जाती है। जहाँ पोत मध्य भाग का निम्न भाग खोखले स्वरूप का हो, या जहाँ मोटी पट्टियाँ लगाई गई हों, यह दूरी उम बिन्दु से माप जाती है जहाँ गपाट तल की रेखा मंदर की ओर जाकर नौतन की बाजू की काटती है,
 - (ख) बक नौतन वाले पोतों में गहराई डंक की ठर्स रेखाओं और बाजू की सेल प्लेटिंग पट्टियों के काट बिन्दु से माप आया ऐसा मानकर कि नौतन कोण या आकार का होना तो यह रेखाएँ विस्तारित हों। (परिशिष्ट 1 में प्राकृति 11 देखिए)

(ग) उन पोतों में जड़ा ऊपर: डंक उठा हुआ होता है, और डंक का उभरा हुआ भाग उस बिंदु के ऊपर विस्तारित होता है, जहां में गहराई अवधारित करने: होता: है वहां गहराई उस सर्वोच्च रेखा, जो डंक के निम्न भाग से उभरे भाग का रेखा के साथ समान्तर विस्तारित होता है, तक मापा जात है।

(त) "शुद्ध टनभार" के नियम 4 के अनुसार अवधारित पोत का उपयुक्त क्षमता का माप अभिविष्ट है।

(थ) "नया पोत" से ऐसा पोत अभिविष्ट है जिसका नोतल (कॉल) इन नियमों के प्रारंभ की सार्वजनिक या उसके पश्चात् रखा गया है या जो उस समय निर्माण की कैंसि है स्थिति में है।

(द) "यात्री" से निम्नलिखित के विनाय प्रत्येक व्यक्ति अभिविष्ट है—

(क) भास्टर और कर्मिंदल के सदस्य या अन्य व्यक्ति जो पोत के कारबार के लिए किसी भी स्थिति में पोत पर नियोजित है या लगे हैं और

(ख) एक वर्ष से कम आयु का बालक,

(घ) "परिशिष्ट" से इन नियमों का परिशिष्ट अभिविष्ट है,

(न) "सर्वोच्च" से अधिनियम की धारा 9 के अधीन नियुक्त सर्वोच्च अभिविष्ट है,

(घ) "ऊपरी डंक" से अभिविष्ट है सर्वोच्च पूर्ण डंक जो समुद्र और आकाश की ओर खुला पोत के ढाँचे के एक अभिन्न भाग के रूप में लगाया हो और डंक होने के कारण सभी हवा के भाग में होने वाले द्वार को बंद करने के स्थायी साधन लगाए हों और जिसके तल पोत की बाजूओं के सभी द्वारों को जलरोधी बंद करते के स्थायी साधन लगाए हों और उस पोत में जिसमें उठा हुआ ऊपरी डंक होता है, खुले डंक की निम्नतम रेखा और उस रेखा का विस्तार जो रेखा डंक के ऊपरी भाग के समान्तर हों, ऊपरी डंक माना जाएगा। परन्तु सं. द्वितीया, जिनकी लंबाई 2.4 मीटर से अधिक न हो या जो पोत की पूरी चौड़ाई पर विस्तारित न हों, ऊपरी डंक को रेखा अवधारित करते समय हिसाब में नहीं ली जाएंगी।

(क) "जलरोधी" से अभिविष्ट है कि समुद्र की किसी भी हालत में पानी, पोत में प्रवेश नहीं करेगा और

(ब) उन शब्द और पदों, के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगे जो उनके उस अधिनियम में हैं।

3. सकल टनभार:

पोत का सकल टनभार (जो टी) निम्नलिखित सूत्र द्वारा अवधारित किया जाएगा:

जो टी = के बी जहां बी = पोत के सभी परिवेष्टित स्थानों का कुल आयतन घन मीटरों में

$$के_1 = 0.2 + 0.02 \text{ लॉग सी}_{10}$$

(या परिशिष्ट 2 में जैसा सारणीबद्ध है)

4. शुद्ध टनभार:

(1) पोत का शुद्ध टनभार (एन टी) निम्नलिखित सूत्र द्वारा अवधारित किया जाएगा:—

$$\text{एन टी} = के_3 \text{ बी सी} \left(\frac{4 \text{ डी}}{3 \text{ डी}} \right)^2 + के_2 \left(\frac{\text{एन}_1}{\text{एन}_2 + 10} \right)$$

(क) घटक (4 डी) 2 जिसमें एक से अधिक नहीं माना जाएगा, (3 डी)

(ख) पद के₃ बी सी $\left(\frac{4 \text{ डी}}{3 \text{ डी}} \right)^2$ 0.25 जो से कम नहीं माना जाएगा और

(ग) एन टी 0.30 जो टी (कुल टनभार) से कम नहीं दिया जाएगा और जिसमें:—

बी सी = स्थोरा स्थान का कुल आयतन घन मीटरों में, के₂ = 0.2 + 0.02 लॉग₁₀ बी सी (परिशिष्ट 2 में जैसा सारणीबद्ध है)

डी = पोतमध्य में खड़ा गहराई मीटरों में जैसा नियम 2(15) में परिभाषित है।

डी () = पोतमध्य में गड़ा हुआ मीटरों में जैसा इस नियम के उपनियम (2) में परिभाषित है।

$$के_3 = 1.25 \text{ जो टी} + 10,000$$

$$10,000$$

एन₁ = जिनमें यात्रियों की संख्या 8 वर्षों से अधिक नहीं।

एन₂ = अन्य यात्रियों की संख्या

एन₁ एन₂ = यात्रियों की कुल संख्या जो वहन करने की अनुज्ञा पोत की दी गई है जैसा कि पोत के यात्री प्रमाणपत्र में उपदिष्ट किया गया है। जब एन₁ एन₂ 13 से कम होता है तो एन₁ और एन₂ शून्य के रूप में लिया जाएगा।

जो टी = पोत का सकल टनभार जैसा कि नियम 3 के उपबंधों के अनुसार अवधारित किया गया है।

(2) उप-नियम (1) में निविष्ट गड़ा उठाव पोतमध्य में गड़े उठाव के बराबर मीटरों में होती है, जो निम्नलिखित रूप में व्युत्पन्न होता है:—

(1) उन पोतों के लिए, जिनकी भार रेखा नियम लागू होते हैं, उठाव उन नियमों के अनुसार नियत की गई प्रमाण भार रेखा (काष्ठ भार रेखा से भिन्न) के तत्समान,

(2) यात्री पोतों के लिए उठाव, वाणिज्य पोत परिवहन (यात्री पोतों का निर्माण और सर्वोच्च) नियम 1982 के अनुसार नियत की गई अधिकतम गहरी अविभाजन भार रेखा के तत्समान,

(3) उन पोतों, जिनकी भार रेखाएं भार-रेखा नियमों के अनुसार नियत की नहीं की गई हैं, के लिए अधिकतम अनुज्ञेय उठाव या पोतमध्य में खड़ी गहराई के 7.5 प्रतिशत, जैसी भी स्थिति हो।

5. आयतनों की संज्ञाना:

(1) कुल और शुद्ध टनभार की संगणना में सम्मिलित सभी आयतन, धातु से बनाए गए पोतों में सेल या संरचना सीमा फोर्टिंग की भीतरी और किसी अन्य सामग्री से बनाए गए पोतों में सेल के बाह्य पृष्ठ-भाग या संरचना सीमा पृष्ठ-भाग की भीतरी और लगाए गए बिसबाहन के या उस जैसी फोर्टिंग पर बिचार किए बिना मापे जाएंगे।

(2) संगणकों के आयतन कुल आयतन में सम्मिलित किए जाएंगे। स्थिरक भार और स्थोरा दोनों के लिए उपयोग में लाए गए स्थानों को स्थोरा स्थानों के रूप में सम्मिलित किया जाना चाहिए।

(3) समुद्र की ओर खुले स्थानों के आयतन कुल आयतन में से अपवर्णित किये जा सकेंगे।

- (4) सुगम मसूलों में, मुख्य खग, हवा चौनोखे और समतल निर्माण जो परिवेष्टित स्थानों के बाहर और उनके सभी ओर से पृथक् होते हैं और जिनका अनुपरिच्छेद क्षेत्र होता है जो एक मीटर से अधिक नहीं होता, मापे नहीं जाने चाहियें। उसी प्रकार स्वतंत्र परिवेष्टित स्थान जिनका आयतन एक घन मीटर से अधिक नहीं, मापे नहीं आयेंगे।

6. माप और संगणना

- (1) आयतनों की संगणना में प्रयुक्त सभी माप निकटतम सेंटी-मीटर में होंगे। नियम 3 और 4 के अनुसार अभिप्राप्त प्रतिम टनभार शंक निकटतम दशांश रहित पूर्ण एकक तक पूर्णांकित किये जायेंगे।
- (2) आयतनों की संगणना मुख्य सर्वेक्षक को स्वीकार्य किसी एक पद्धति से होगी और निम्नलिखित पद्धतियों में से एक या संयुक्त रीति से हो सकेगी—
- (क) समुचित कम्प्यूटर कार्यक्रम का उपयोग करते हुए, या
- (ख) पोट के प्लान से प्लेनी मीटर पाठ्यांक का उपयोग करते हुए या परिशिष्ट 3 के पैरा 1(क), (ख) और (ग) के अनुसार अनुपरिच्छेद क्षेत्र अभिप्राप्त करने के लिये बानजीन वक्र मूल्यों और सिम्पसस नियमों का उपयोग करते हुए, या
- (ग) परिशिष्ट 3 के उपबन्धों के अनुसार निचले डेक और अन्य स्थानों का प्रत्यक्ष माप लेते हुए।

7. शुद्ध टनभार का परिवर्तन :

- (1) जब नियम 3 और 4 के अनुसार यथा अवधारित पोट की विशेषताओं में, जैसे कि बी, बी सी, डी, एन या एन₂, में परिवर्तित की जाती है और जहां ऐसे परिवर्तन के परिणाम स्वरूप नियम 4 के उपबन्धों के अनुसार यथा अवधारित शुद्ध टनभार में वृद्धि होती है, तब पोट का शुद्ध टनभार नई विशेषताओं के अनुरूप अवधारित किया जायेगा और अविलंब लागू किया जायेगा।
- (2) उस पोट को, जिसको उप-नियम 4(2) (i) और 4(2) (ii) में निर्दिष्ट भार रेखाएं साथ-साथ नियत की जाती हैं, नियम 4 के उपबन्धों के अनुसार अवधारित केवल शुद्ध टनभार दिया जायेगा और वह ऐसा टनभार होगा जो लिस व्यापार में वह पोट लगाया है, व्यापार के लिये समुचित नियत भार रेखाओं के लिये लागू होगा।
- (3) जब पोट की नियम 3 और 4 में यथा परिभाषित विशेषताएं जैसे बी, बीसी, डी, एन₁, या एन₂ परिवर्तित की जाती हैं, या जब उप नियम (2) में निर्दिष्ट समुचित नियम भार रेखा में, जिस व्यापार में वह पोट लगाया गया है परिवर्तन के कारण परिवर्तन किया जाता है और जहां ऐसे परिवर्तन के परिणाम स्वरूप नियम 4 के अनुसार यथा अवधारित पोट के शुद्ध टनभार में कमी होती है, वहां एक नया अंतर्राष्ट्रीय टनभार प्रमाणपत्र (1969) जिसमें इस प्रकार अवधारित शुद्ध टनभार सम्मिलित होता है तब तक जारी नहीं किया जायेगा जब तक कि बांधू प्रमाणपत्र जारी किये जाने की तारीख से बांधू सहित बीस नहीं जाते हैं,—

परन्तु यह प्रणाली निम्नलिखित को लागू होगी—

- (क) यदि वह पोट अन्य राज्य के ध्वजीधीन अंतरित किया जाता है या

(ख) यदि पोट में ऐसे परिवर्तन या सुधार किये जाते हैं जो मुख्य सर्वेक्षक अधिक महत्वपूर्ण समझे जैसे पोट के ऊपरी ढांचे का, जिसकी नियम भार रेखा में परिवर्तन अपेक्षित है, हटाया जाना, या

- (ग) वाली पोटों, जो विशेष व्यापार यात्रियों की बड़ी संख्या को ले जाने के लिये लगाए जाते हैं।

8. प्रमाणपत्र जारी करना—

- (1) प्रत्येक पोट, जिसकी लंबाई 24 मीटर और उससे अधिक हो और जिसका सकल और शुद्ध टनभार इन नियमों के अनुसार परिशिष्ट 5 में एकरूप टनभार संगणना की विधिपद्धतियों को दक्षित करने वाले मानक प्रारूप के साथ-साथ ऐसे प्रमाणपत्र के लिये परिशिष्ट 4 में दिये गये प्रारूप में अवधारित किया गया है, के स्वामी को एक अंतर्राष्ट्रीय टनभार प्रमाणपत्र (1969) जारी किया जायेगा।
- (2) किसी अन्य पोट को वहां में परिशिष्ट 5 में एकरूप टनभार संगणना की विधिपद्धतियों के साथ-साथ परिशिष्ट 6 के अनुसार भारतीय प्रमाणपत्र जारी किया जायेगा।

9. टनभार का पुनर्मापन :

जहां किसी पोट का टनभार इन नियमों के अनुसार अभिनिश्चित किया गया है या किया गया समझा गया है उसके टनभार में तब तक परिवर्तन नहीं किया जायेगा, जब तक पोट के स्वरूप या क्षमता में परिवर्तन नहीं किया जाता है या यह पता नहीं लगाया जाता है कि टनभार गलत ढंग से संगणित किया गया है और इन दोनों वक्ताओं में पोट का पुनर्मापन किया जायेगा और उसका टनभार इन नियमों के अनुसार अभिनिश्चित किया जायेगा।

10. डेक स्पोरा और अन्य स्थानों में स्पोरा :

- (1) यदि कोई पोट, उस पोट से भिन्न जो अन्य रूप से भारत के किसी पत्तन या जगह के बीच व्यापार में लगा हुआ है, डेक स्पोरा या उन स्थानों में, जिन्हें शुद्ध टनभार की संगणना में सम्मिलित नहीं किया गया है, स्पोरा बहुत करता है तो स्पोरा बहुत करने के लिये इस प्रकार उपयोग में लाये गये स्थान का मापन अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट पद्धति से किया जायेगा और पोट के सुसंगत टनभार में जोड़ दिया जायेगा और वेय का उद्ग्रहण पोट के रजिस्ट्रीकृत टनभार पर प्राधारित होगा।
- (2) उप-नियम (1) में निर्दिष्ट स्थानों का टनभार किसी सर्वेक्षक या सीमा शुल्क अधिकारी, 1962 की धारा 3 में निर्दिष्ट सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा, अनुसूची 1 में निर्दिष्ट पद्धति से अभिनिश्चित किया जायेगा और इस प्रकार अभिनिश्चित टनभार उसके द्वारा पोट की शासकीय लागू रुक में और उस ज्ञापन में जो जो वह मास्टर को देगा दर्ज करेगा और जब कभी पोट के टनभार उत्साह के लिये किसी देय की मांग की जाती है तब मास्टर इस ज्ञापन को उसी रूप में प्रस्तुत करेगा मानो वह पोट का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र ही या भारतीय पोट से भिन्न पोट की दशा में रजिस्ट्रीकृत प्रमाणपत्र के समतुल्य दस्तावेज हो।

11. विदेशों में अभिनिश्चित टनभार :

- (1) जब किसी पोट का टनभार किसी विदेश में, जिसने टनभार मापन संबंधी अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय का अंगीकार किया है, प्रवृत्त नियमों के अनुसार या उन नियमों, जो सारबान्ज रूप से इन नियमों के समक्य हों, के अनुसार अभिनिश्चित

किया गया हो, तब केन्द्रीय सरकार उस देश के जारी किये गये रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट टनभार को, उसी रीति से, उसी विस्तार तक और उसी प्रयोजन के लिये, जैसे इन नियमों के अधीन जारी किये गये रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में टनभार उल्लिखित किया होता, स्वीकार करेगी।

- (2) उप-नियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, केन्द्रीय सरकार, यदि उसकी यह राय हो कि किसी विदेशी पोत का, उस देश के जिसका वह पोत है, नियमों द्वारा यथा अभिविहित टनभार पोत के उस टनभार से जो, यदि वह इन नियमों के अनुसार मापा जाने से होता, भिन्न है, यह निर्देश दे सकेगी कि उस पोत का पुनर्मापन इन नियमों के अनुसार किया जायेगा और उसका टनभार इन नियमों के अनुसार अभिविहित किया जायेगा।

12. स्वेज नहर और पनामा नहर टनभार प्रमाणपत्र

यदि किसी पोत के स्वामी से स्वेज नहर या पनामा नहर टनभार प्रमाणपत्र के लिये पोत के मापन के लिये अनुरोध प्राप्त किया

जाता है, तो स्वेज नहर या पनामा नहर प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये नियमों के अनुसार उस पोत का पुनर्मापन किया जायेगा और उसका टनभार अभिविहित किया जायेगा।

13. फीस

फीस उन नियमों के अधीन अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट दरों से और प्रयोजनों के लिये उद्घोषित की जायेगी।

14. निरसन और व्यावृत्ति

नियम 1 के उपनियम (3) के खण्ड (क), (ख) या (ग) में विनिर्दिष्ट वर्णों के पोतों को यह नियम लागू होने पर, ऐसे पोतों को अपने लागू होने के बारे में वाणिज्य पोत परिवहन (पोत टनभार मापन) नियम, 1960 निरस्त हो जायेंगे:

परन्तु उक्त उप-धारा के खण्ड (घ) में विनिर्दिष्ट अन्य पोत 18 जुलाई, 1994 तक वाणिज्य पोत परिवहन (पोत टनभार मापन) नियम, 1960 के उपबन्धों द्वारा अभिविहित रहेंगे, मानों उक्त नियम निरस्त नहीं किये गये हों।

परिशिष्ट - 1

नियम 2 (9) में विनिर्दिष्ट आकृतियाँ -

निम्नलिखित आकृतियों में: ओ - उपवर्जित स्थान

सी - परिवर्धित स्थान

आई - स्थान जिसे परिवर्धित स्थान के रूप में माना जाएगा।

परिवर्धित स्थान के रूप में सम्मिलित आंक है।

नो = पोत में बलयाकार नवल सहित द्वार के मार्ग में बूक की चौड़ाई। यह चौड़ाई जैसा कि आकृति 2 में यथा उपवर्णित है, के अनुसार मापी जाएगी।

एच = कम से कम $4/3$ या 0.75 एम जो अधिक बड़ा हो।

बन्द आसन पट्टी पोत

बन्द आसन पट्टी पोत

एच = कम से कम $4/3$ या 0.75 जो अधिक बड़ा हो।

उपवर्जित स्थान की लंबाई

विपरीत दिशा/द्वार

केवल एक दिशा में द्वार

एबीसीडी = ईक स्थान का द्वार

ए/बी/सी/डी/ई/एफ/जी/एच

परिवर्धित स्थान से उपवर्जित किया जाएगा।

परिशिष्ट 2

नियम 3 और 4 में निम्नलिखित गुणों के $\frac{1}{2}$ और $\frac{3}{4}$ की या बीसी = बी या बीसी = आयतन घन मीटरों में

बी या बीसी	$\frac{1}{2}$ या $\frac{3}{4}$	बी या बीसी	$\frac{1}{2}$ या $\frac{3}{4}$	बी या बीसी	$\frac{1}{2}$ या $\frac{3}{4}$	बी या बीसी	$\frac{1}{2}$ या $\frac{3}{4}$
1	2	3	4	5	6	7	8
10	0.2200	45.000	0.2931	330.000	.3104	670000	0.3165
20	0.2260	50.000	0.2940	340.000	.3106	680000	0.3166
30	0.2295	55.000	0.2948	350.000	0.3100	690000	0.3198
40	0.2320	60.000	0.2956	360.000	.3111	700000	0.3170
50	0.2340	65.000	0.2963	370.000	.3114	710000	0.3170
60	0.2356	70.000	0.2969	380.000	.3116	720000	0.3171
70	0.2369	75.000	0.2975	390.000	.3118	730000	0.3173
80	0.2381	80.000	0.2981	400.000	.3120	740000	0.3174
90	0.2391	85.000	0.2986	410.000	.3123	750000	0.3175
100	0.2400	90.000	0.2981	420.000	.3125	760000	0.3176
200	0.2460	95.000	0.2996	430.000	.3127	770000	0.3177
300	0.2495	100.000	0.3000	440.000	.3129	780000	0.3178
400	0.2520	110.000	0.3008	450.000	.3131	790000	0.3180
500	0.2540	120.000	0.3016	460.000	.3133	800000	0.3161
600	0.2556	130.000	0.3023	470.000	.3134	8888881	0.3182
700	0.2569	140.000	0.3029	480.000	.3136	820000	0.3183
800	0.2581	150.000	0.3035	490.000	0.3138	830000	9.3184
900	0.2591	160.000	0.3041	500.000	0.3140	840000	0.3185
1000	0.2600	170.000	0.3048	510.000	0.3142	850009	0.3186
2000	0.2660	180.000	0.3051	520.000	0.3143	860000	0.3187
3000	0.2695	190.000	0.3056	530.000	0.3145	870000	0.3188
4000	0.2720	200.000	0.3060	540.000	.3146	880000	0.3189
5000	0.2740	210.000	0.3064	550.000	0.3148	890000	0.3190
6000	0.2756	220.000	0.3068	560.000	0.3150	900000	0.3191
7000	0.2769	230.000	0.3072	570.000	0.3151	910.000	0.2192
8000	0.2781	240.000	0.3076	580.000	0.3153	920000	0.3193
9000	0.2891	250.000	0.3080	590.000	0.3154	930000	0.3194
10000	0.2800	260.000	0.3083	600.000	0.3156	940000	0.3195
15000	0.2835	270.000	0.3086	610.000	0.3157	950000	0.3196
20000	0.2860	280.000	0.3089	620.00	0.3158	960000	0.3196
25000	0.2880	290.000	0.3092	630.000	0.3160	970000	0.3197
30000	0.2895	300.00	0.3095	640.000	0.3161	980000	0.3198
35000	0.2009	310.000	0.3098	650.000	.3163	990000	0.3199
40000	0.2920	320.000	0.3101	660.000	.3164	1000000	0.3200

बी या बीसी के अन्तःकालीन मूल्यों पर गुणों के $\frac{1}{2}$ या $\frac{3}{4}$ रेखिक अन्वर्धकण द्वारा प्राप्त किए जाएंगे।

परिशिष्ट-3

(मापन और संगणना)

(नियम 6 देखिए)

1. आयतन की संगणना

- (क) ऊपरी डैक को लम्बाई, पोट के मध्य समतल में डैक के अग्र और पश्चिमिरे के उन बिन्दुओं के नीचे से जहाँ डैक की निचली बाजू या उसकी अनुवर्ती रेखा, डैक के अग्रभाग या छिन्नता के मार्ग में धातु से बने पोट में मेल की सीतरी बाजू में या किसी अन्य सामग्री से बने पोट के हवा के बाह्य स-पृष्ठ पर मिलती है, सरल रेखा से नापा जाएगा। ऐसी लम्बाई को "टनभार" लम्बाई के रूप में निर्दिष्ट किया जाएगा।
- (ख) ऊपरी डैक के नीचे का आयतन तीन भागों में नापा जाएगा, जहाँ अतिअग्र और अति पश्चिम भागों की लम्बाई टनभार लम्बाई टी. एल. की पश्चिम प्रतिशत मानी जाएगी।
- (ग) टनभार लम्बाई के तीन भागों में से प्रत्येक भाग को निम्नलिखित सारणी में यथा दक्षित बराबर भागों में विभाजित किया जाएगा (आकृति देखिए) :

टनभार लम्बाई मीटरों में	टी. एल.	अग्र 25% टी. एल. और पश्चिम 25% मध्य 50% टी. एल. टी. एल.
< 60		4
≥ 60	120	6
> 120		8

(घ) अनुप्रस्थ काट की टनभार गहराई, टनभार डैक के नीचे की मध्य रेखा से नौतल की रेबिट की ऊपरी बाजू या धातु से बने पोटों में तल प्लेटिंग तकड़ी से बने पोटों में नौतल रेबिट के नीचे की बाजू और अन्य सामग्री से बने पोटों में हल की बाह्य बाजू तक, जिन पोटों का टनभार डैक परिवर्तनिक आकार का हो उनके मामले में चौड़ाई के बलब की एक तिहाई कटौती करके और अन्य मामलों में समतुल्य क्षेत्रफल पर आधारित समतुल्य कटौती करके जो अक्षर हो उतनी होगी।

(ङ) टनभार गहराई, जैसे (घ) में परिभाषित है और सकल टनभार टी. एल. को पोटमध्य पर ली गई है 5 बराबर भागों में जहाँ गहराई 6 मीटर या उससे कम हो, 7 बराबर भागों में जहाँ गहराई 6 मीटर से अधिक परन्तु 12 मीटर से कम हो, और 9 बराबर भागों में जहाँ गहराई 12 मीटर से अधिक हो, विभाजित की जाएगी।

(च) प्रत्येक अनुप्रस्थ काट का तल भाग आगे 4 बराबर भागों में उपविभाजित किया जाएगा (आकृति 2 देखिए)

(छ) डैक, खोल, अनुदैर्घ्य और या अनुप्रस्थ पोटभित्तों, द्वारा यथास्थिति, सीमित तल संभार या अधिरचना में प्रत्येक पृष्ठीय स्थान का आयतन पृष्ठीय और सामान्यतः निचली डैक के मापन की पद्धति के अनुसार मापा जाएगा।

(ज) एकदूरे तलों वाले स्थोरा पोटों की फर्श रेखा सीढ़ों के मोर्च के स्थान का स्थोरा स्थान को मापन में इस बात को विचार में लाए जाय कि खुले फर्श के ऊपरी हिस्से पर कोई छावन लगाया गया है या नहीं, सम्मिलित किया जाएगा।

(झ) अधिसंरचनाओं जैसे पूष, बिज या गजहरी डैक मापन सामान्य निचली डैक के मापन की पद्धति के अनुसार होगा।

2. ऐसे निर्माण, जैसे संवाकार भगवाड़, भ्रष्टाचार आँकुर का भ्रष्टाचार पृष्ठ भाग और संपद नौसिंग का मापन मुख्य सर्वेक्षक को स्वीकार्य किसी व्यावहारिक पद्धति द्वारा उपाय के रूप में पृष्ठीय किया जाएगा और प्राप्त आयतन निचली डैक के आवतन में जोड़ दिया जाएगा।

3. समुद्र की ओर खुले और भार जल रेखा के नीचे स्थित स्थान जैसे भगवाड़ प्रसोद एकक मृदाव टंक और स्थायीकारी फिश द्वारा प्राप्ति तथा भार जल रेखा के ऊपर स्थित समुद्र और आकाश की ओर खुले स्थान जैसे हॉज और कुर्सी नालियाँ नापी जाएंगी और सकल टनभार और शुद्ध टनभार में से, जहाँ लागू हो, भ्रष्टाचार की जाएगी।

4. श्वेत और आयतन की संगणना में सिम्पसन के प्रथम नियम का उपयोग किया जाएगा, सिवाय उन ज्यामितीय रूप से परिभाषित स्थानों के क्षेत्र और आयतन के जिनकी संगणना मानक ज्यामितीय सूत्रों को लागू करके की जाएगी।

डैक के नीचे के आयतन का मापन

टी एल = टनभार लम्बाई

अनुप्रस्थ काट का मापन

ऊपरी जल पृष्ठ 18, 19, 22, 23 देखें

ए बी = सीम का बलब (कक्ष)

तल भाग आगे 4 बराबर भागों में उप विभाजित

टनभार गहराई 6 मीटर या उससे कम अंतः 5 बराबर भागों में विभाजित जहाँ गहराई 6 मीटर से अधिक परन्तु 12 मीटर से कम हो 7 बराबर भागों में विभाजित और जहाँ गहराई 12 मीटर या उससे अधिक हो 9 बराबर भागों में विभाजित होगी।

(नियम 2 के लिए)

सूचना

प्रमाण पत्र सं.

अन्तर्राष्ट्रीय टनभार प्रमाण पत्र (1969)

भारत सरकार के प्राधिकारी चीन मुख्य अधिकारी, समुद्री वाणिज्य द्वारा पोतों के टनभार माप, अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमय 1969 के उपबंधों के अधीन जारी किया गया।

पोत का नाम	चिह्नित संख्या या अक्षर	रजिस्ट्री प्लेन	तारीख
------------	-------------------------	-----------------	-------

बहु तारीख जिस का नोटल डाला गया या पोत निर्माण की ऐसी ही अवस्था में या या बहु तारीख जिस की पोत में महत्वपूर्ण परिवर्तन या सुधार किए गए।

मुख्य धायाता

अंश 2 (क)

अंश 2 (ग)

पोतनध्य से निचले ऊँक तक की खड़ी गहराई। नियम 2 (न)

पोत के टनभार इस प्रकार

अक्षर टनभार

सूख टनभार

प्रमाणित किया जाता है कि इस पोत के टनभार पोत टनभार माप अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमय, 1969 के उपबंधों के अनुसार अभिवारित किए गए हैं। तारीख को जारी किया।

अधोहस्ताक्षरी घोषित करता है कि वह प्रमाणपत्र जारी करने के लिए उक्त सरकार द्वारा समझू रूप से प्रामाणिक है।

.....
प्रमाण अधिकारी
वाणिज्यिक समुद्री विभाग

कार्यालय की सूचना
और पता

टनघार में सम्मिलित स्थान

सकल टनघार			शुद्ध टनघार		
स्थान का नाम	स्थान	लंबाई	स्थान का नाम	स्थान	लंबाई

माखियों की संख्या
[नियम 15 (1)]
8 से अधिक 9 वर्ष वाले केजिनों में
माखियों की संख्या

अन्य माखियों की संख्या.....

परिबेष्टित स्थान
[नियम 2 (अ)]

उन स्थानों में तार के बिड़म जोड़ दिया
आएगा जिसमें परिबेष्टित और उप-
वर्जित दोनों समाविष्ट हैं।

खंडा डुबाया
[नियम 4 (2)]

मूल मापन की तारीख और स्थान

अंतिम पूर्ण मापन की तारीख

टिप्पणियाँ :

परिशिष्ट—5

(निर्धम 8 देखिए)

एक ही टनभार संगणनाओं की विशिष्टिदा

अन्तराष्ट्रीय टनभार प्रमाणपत्र (1969) का उपबंध

भारतीय टनभार प्रमाणपत्र (1986)

सकल टनभार

सद	स्थान का नाम	अवस्थिति	लंबाई	ठला आयतन	परिवेष्टि स्थान
1.	डैक के सीधे				
2.	पूक				
3.	ब्रिज				
4.	गलही डैक				
5.	बलायकार कमरे				
6.	डैकड्वार भादि				
7.				
8.				

कुल आयतन या, =

1. तल भंडार-1
2. तल भंडार-2
3. टी. डब्ल्यू.—डी के-1
4. टी. डब्ल्यू.—डी. के.—2
5. स्वीरा—टंकिया
6. डैकड्वार भादि
7.
8.

कुल आयतन बी सी =

प्रमाणपत्र सं. के साथ

जारी किया गया

.....प्रधान अधिकारी समुदिक

वाणिज्यिक विभाग

परिशिष्ट 1

(नियम 8 देखिए)

मुहर

भारतीय टनभार प्रमाणपत्र

वाणिज्यिक पोत परिवहन (पोत टनभार मापन) नियम, 1986 के उपबंधों के प्रकीर्ण जारी किया गया।

पोत का नाम	कार्यालय संख्या	रजिस्ट्री पत्ता	तारीख जब नोतल डाला गया/ परिवर्तन पूर्ण किया/पुनर्मापन किया गया
------------	-----------------	-----------------	---

यदि नोतल डाला गया या परिवर्तन पूरा किया गया या पुनर्मापन किया गया तो बता दें।

लंबाई नियम 2(ड)	चौड़ाई नियम 2(ग)	पोत मध्य में खड़ी गहराई नियम 2 (ण)
--------------------	---------------------	---------------------------------------

सकल टनभार.....

शुद्ध टनभार.....

प्रमाणित किया जाता है कि इस पोत के टनभार वाणिज्यिक पोत परिवहन (पोत टनभार मापन) नियम, 1986 के उपबंधों के अनुसार अवधारित किए गए हैं।

जारी किया स्थान..... 19.....

प्रधान अधिकारी
सांख्यिक वाणिज्यिक विभाग

परिशिष्ट 7

(नियम 10 देखिए)

- (1) डेक के ऊपर के आच्छादित या अनाच्छादित स्थानों की वन क्षमता या अपवर्जित स्थानों का जिन्हें सकल टनभार की संगणना में सम्मिलित नहीं किया गया है, जब उनका प्रयोग स्पोरा वहन के लिए किया गया हो, अवधार स्पोरा द्वारा के बर्गे मीटरों में क्षेत्र को व्याप्त स्थान को परिशिष्ट 3 के उपबंधों के अनुसार तथा अवधारित बर्गे मीटरों में क्षेत्र को मास की मीटरों में अधिकतम उंचाई से मूँचा करके किया जाएगा। इस प्रकार प्राप्त वन क्षमता को, ऐसे स्थानों का टनभार अवधारित करने के लिए 2.83 द्वारा भाग किया जाएगा।
- (2) पोत में किसी स्थान या स्थानों की वन क्षमता, जिन्हें सकल टनभार की संगणना में सम्मिलित किया गया है परन्तु शुद्ध टनभार की संगणना में सम्मिलित नहीं किया गया है, जब उनका प्रयोग स्पोरा वहन के लिए किया गया हो, उस पूर्ण स्थान, जिसमें स्पोरा वहन किया जाता है, की आयतन की संगणना द्वारा अवधारित किया जाएगा। अनुसूची 3 के अनुबंधों के अनुसार अवधारित स्थान की वन क्षमता को ऐसे स्थानों का टनभार अवधारित करने के लिए 2.83 से भाग किया जाएगा।

परिशिष्ट 8

(नियम 13 देखिए)

(क) अन्तर्राष्ट्रीय टनभार प्रमाणपत्र (1969) या भारतीय टनभार प्रमाणपत्र का मापन और जारी किया जाना।

(i) निम्नलिखित मापों में से किसी एक के लिए किसी भारतीय पोत या विदेशी पोत के प्रथम मापन, पुनर्मापन, जिसके अंतर्गत डेक के नीचे का टनभार आयतन भी है

50 से अधिक सकल टनभार के पोत के लिए 300/- रु.

50 से अधिक परन्तु 100 सकल टनभार से कम के पोत के लिए 500/- रु.

प्रत्येक अतिरिक्त या सकल टनभार के 100 के भाग या 100 से अधिक परन्तु 20,009 अधिक सकल टनभार के लिए 50/- रु.

प्रत्येक अतिरिक्त या सकल टनभार 100 के भाग, 20,900 सकल टनभार से अधिक के लिए 20/- रु.

(ii) पुनर्मापन के लिए, जिसमें डेक के नीचे का टनभार आयतन में अंतर्बलित नहीं, और अन्तर्राष्ट्रीय टनभार प्रमाण-पत्र (1969) या भारतीय टनभार प्रमाणपत्र जारी करने के लिए 200/- रु.

निम्नलिखित में से किसी एक के पुनर्मापन के लिए ऊपरी डेक परिवर्तन के लिए

अनुसूच्य स्कोरा कल यात्रियों की संख्या और उनके लिए स्थान

अलस्थिरक और

5

बंकर स्थान

प्रत्येक स्थान मापन के लिए 100/- रु.

खंडार कक्ष

(ख) स्वामियों के अनुरोध पर या 300/- रु. कानूनी प्राधिकारी द्वारा टनभार के स्थापन के लिए और जब पुनर्मापन अपेक्षित नहीं

300/- रु. सर्वेक्षक की प्रत्येक सैट के लिए

(ग) नियम 10 के अधीन स्कोरा द्वारा दबलकृत स्थान के मापन के लिए

300/- रु. प्रत्येक के लिए

(घ) स्वेज नहर और पानामा नहर टनभार मापन और प्रमाणपत्र जारी करना।

(i) स्वेज नहर या पानामा नहर टनभार प्रमाणपत्र के लिए पोत के प्रथम मापन के लिए

नहर के सकल टनभार पर आधारित (क) (i) में दी गई फीस

(ii) स्वेज नहर और पानामा नहर टनभार प्रमाणपत्र के लिए यदि मापन उसी समय किया हो

नहर के सकल टनभार पर आधारित (क) (i) में दी गई फीस पर उसका दो पंचमांश फीस।

(iii) डेक के नीचे से निम्न स्थान से परिवर्तन के पश्चात् पोत के पुनर्मापन के लिए

200/- रु. घन मापे जाने वाली प्रत्येक स्थान के लिए 100/- रु.

(iv) किसी स्वामी को स्वेज नहर या पानामा नहर टनभार संगणनाओं का विवरण देने के लिए

200/- रु.

(ङ) अन्तर्राष्ट्रीय टनभार प्रमाणपत्र (1969) या भारतीय टनभार प्रमाणपत्र या स्वेज नहर टनभार प्रमाणपत्र या पानामा नहर प्रमाणपत्र की प्रत्येक अतिरिक्त प्रति जारी करने के लिए

100/- रु.

[स. एत. डब्ल्यू./5 एम. एत. असार. (ii)/82-एम. ए.]

जे. सी. पन्त, अवर सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

New Delhi, the 11 May, 1987

NOTIFICATION

(Merchant Shipping)

G.S.R. 473(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clauses (a) and (b) of sub-section (2), of section 74 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title, commencement and application :

(1) These rules may be called the Merchant Shipping (Tonnage Measurement of Ships) Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) They shall apply to every ship registered or to be registered in India of the following description, namely :—

(a) new ship;

(b) existing ships, which undergo alteration or modifications, which the Chief Surveyor deems to be of a substantial variation in their existing gross tonnage;

(c) existing ships if the owner thereof so requests in writing; and

(d) all other existing ships with effect from the 18th July, 1994.

2. Definitions : In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "Act" means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958)

(b) "Appendix" means the appendices to these rules;

(c) "breadth" means the maximum breadth of the ship, measured amidships to be moulded for line of the frame in a ship with a metal shell and to the outer surface of the hull in a ship with a shell of any other material;

(d) "break" means the space above the line of upper deck when the deck is cut off and continues at a higher elevation;

(e) "cargo space" means enclosed spaces appropriated for the transport of cargo which have been included in the computation of gross tonnage and certified by the Surveyor by permanent marking with letters CC (Cargo Compartment) to be so positioned that they are readily visible and is not than 1.00 milli-metres in height;

(f) "Chief Surveyor" means the Chief Surveyor or the Deputy Chief Surveyor or the Deputy Chief Ship Surveyor, in the office of the Director General of Shipping, Bombay;

(g) "crew" means the seamen and the apprentices;

(h) "enclosed space" includes all spaces which are bounded by the ship's hull, by fixed or portable partitions or bulkheads, by decks or coverings other than permanent or movable awnings; so, however, that no break in a deck, nor any opening in the ships' hull, in a deck or in a covering of a space or in the partitions or bulkheads of a space, nor the absence of a partition or bulkheads; shall preclude a space from being included in the enclosed space;

(i) "excluded spaces" means space of the following description, namely :—

(a)(i) space within a erection opposite an end opening extending from deck to deck except for a curtain plate of a depth not exceeding by more than 25 millimetres the depth of the adjoining beams, such opening having a breadth equal to or greater than 90 per cent of the breadth of the deck at the line of opening of the space. This provision shall be applied so as to excluded from the enclosed spaces only the space between the actual end opening and a line drawn parallel to the line or face of the opening at a distance from the opening equal to one half of the width of the deck at the line of the opening (see figure 1 in Appendix I);

(ii) should the width of the space because of any arrangement (except by convergence of the outside plating become less than 90 per cent of the breadth of the deck, only the space between the line of the opening and a parallel line drawn through the point where the athwartship width of the space becomes equal to, or less than 90 per cent of the breadth of the deck, shall be excluded from the volume of enclosed spaces (see figures 2, 3 and 4 in Appendix I).

(iii) where an interval which is completely open except bulkheads or open rails separates any two spaces, the exclusion of one or both of which is permitted under sub-clauses (a) (i) and/or (a)(ii), such exclusion shall not apply if the separation between the two spaces is less than least half breadth of the deck in way of the separation (see figures 5 and 6 in Appendix I);

- (b) a space under an overhead deck covering open to the sea and weather, having no other connection on the exposed sides with the body of the ship than the stanchions necessary for its support. In such a space open rails or bulkwark and curtain plate may be fitted or stanchions fitted at the ships' side, provided that the distance between the top of the rails or the bulkwark and the curtain plate is not less than 0.75 metres or one-third of the height of the space, whichever is the greater (see figure 7 in Appendix I);
- (c) a space in a side to side erection directly in way of opposite side openings not less in height than 0.75 metres or one-third of the height of the erection, whichever is greater. If the opening in such an erection is provided one side only, the space to be excluded from the volume of enclosed spaces shall be limited in board from the opening to a maximum of one-half of the breadth of the deck in way of the opening (see figure 8 in Appendix I).
- (d) a space in an erection immediately below an uncovered opening in the deck overhead, provided that such an opening is exposed to the weather and the space excluded from enclosed spaces is limited to the area of the opening (see figure 9 in Appendix I).
- (e) a recess in the boundary of an erection which is exposed to the weather and the opening of which extends from deck to deck without means of closing, provided that the interior width is not greater than the width at the entrance and its extension into the erection is not greater than twice the width of its entrance (see figure 10 in Appendix I);
- and such spaces shall not be included in the volume of enclosed spaces except that any such space which fulfils at least one of the following three conditions shall be treated as an enclosed space:—
- (i) the space is fitted with shelves or other means for securing cargo or stores;
 - (ii) the openings are fitted with any means of closure;
 - (iii) the construction provides any possibility of such opening being closed.
- (j) "existing ship" means a ship which is not a new ship;
- (k) "gross tonnage" means the measure of the overall size of a ship determined in accordance with rule 3;
- (l) "International Convention on Tonnage Measurement" means the Final Act of the International Conference on Tonnage Measurement of Ships 1969, done at London on 23rd day of June, 1969;
- (m) "length" means 96 per cent of the total length on a waterline at 85 per cent of the least moulded depth measured from the top of the keel, or the length from the fore-side of the stem to the axis of the rudder stock on that waterline, if that be greater. In ships designed with a rake of keel the waterline on which this length is measured shall be parallel to the designed waterline;
- (n) "loadline rules" means the Merchant Shipping (Load Line) Rules, 1979;
- (o) "moulded depth" means:—
- (a) the vertical distance measured from the top of the keel to the underside of the upper deck at side. In wood and composite ships the distance is measured from the lower edge of the keel rabbet. Where the form at the lower part of the midship section is of a hollow character, or where thick garboards are fitted, the distance is measured from the point where the line of the flat of the bottom continue inwards cuts the side of the keel;
 - (b) in ships having rounded gunwales, the depth measured to the point of intersection of the moulded lines of the deck and side shell plating, the lines extending as though the gunwales were of angular design (see figure 11 in Appendix I);
 - (c) in ships where the upper deck is stepped and the raised part of the deck extends over the point at which the depth is to be determined, the depth measured to a line of reference extending from the lower part of the deck along a line parallel with the raised part;
- (p) "not tonnage" means the measure of the useful capacity of a ship determined in accordance with rule 4.
- (q) "new ship" means a ship the keel of which is laid, or which is at a similar stage of construction, on or after the commencement of these rules;

(r) "passenger" means every person other than:-

(a) the master and the members of the crew or other persons employed or engaged in any capacity on board a ship on the business of that ship; and

(b) a child under one year of age;

(s) "Schedule" means a Schedule appended to these rules;

(t) "Surveyor" means a surveyor appointed under section 9 of the Act;

(u) "upper deck" means the uppermost complete deck exposed to sea and weather fitted as an integral part of the ship's structure being a deck all openings in weather portions of which are fitted with permanent means of closing and below which all openings in the sides of the ship are fitted with permanent means of water-tight closing and in a ship having a stepped upper deck the lowest line of the exposed deck and continuation of that line parallel to the upper part of the line deck shall be taken as the upper deck. Provided that steps with a length of not more than 2.4 metres or which do not extend over the full breadth of the ship may not be taken into account when determining the line of upper deck;

(v) "weathertight" means that in any sea condition water will not penetrate into the ship; and

(w) words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Act, shall have the meanings respectively, assigned to them in the Act.

3. Gross Tonnage:

The gross tonnage (GT) of a ship shall be determined by the following formula:

$GT = K_1 V$ where V = Total volume of all enclosed spaces of the ship in cubic metres.

$K_1 = 0.2 + 0.02 \log_{10} V$ (or as tabulated in Appendix II).

4. Net Tonnage :

(1) The net tonnage (NT) of a ship shall be determined by the following formula:-

$NT = K_2 V_c [4D/3D]^3 + K_3 (N_1 + N_2/10)$, in which formula:-

(a) the factor $[4D/3D]^3$ shall not be taken as greater than unity;

(b) the term $K_2 V_c [4D/3D]^3$ shall not be taken as less than 0.25 GT; and

(c) NT shall not be taken as less than 0.30GT, and in which V_c = total volume of cargo spaces in cubic metres.

$K_2 = 0.2 + 0.02 \log_{10} V_c$ (or as tabulated in Appendix II).

D = moulded depth amidships in metres as defined in rule 2(15)

d = moulded draught amidships in metres as defined in sub-rule (2) of this rule

$K_3 = 1.25 GT + 10,000/10,000$

N_1 = Number of passengers in cabins with not more than 8 berths,

N_2 = Number of other passengers,

$N_1 + N_2$ = total number of passengers the ship is permitted to carry as indicated in the ship's passenger certificate, when $N_1 + N_2$ is less than 13
 N_1 and N_2 shall be taken as zero,

GT = Gross tonnage of the ship as determined in accordance with the provisions of rule 3.

(2) The moulded draught referred to in sub-rule (1) is equal to moulded draught amidships in metres derived as follows:-

(i) for ships to which load line rules apply, the draught corresponding to the summer load line (other than timber load lines) assigned in accordance with those rules;

(ii) for passenger ships, the draught corresponding to the deepest sub division load line assigned in accordance with the merchant Shipping (Construction and Survey of Passenger Ships) Rules 1982;

(iii) for ships not assigned load lines in accordance with load line rules the maximum permitted draught or 75% of moulded depth amidship, as the case may be.

5. Calculations of volumes:

(1) All volumes included in the calculation of gross and net tonnages shall be measured, irrespective of the fitting of insulation or the like, to the inner side of the shell or structural boundary plating in ships constructed of metal, and to the outer surface of the shell or to the inner side of structural boundary surface in ships constructed of any other material.

(2) Volumes of appendages shall be included in the total volume. Spaces used both for ballast and cargo should be included as cargo spaces.

- (3) Volumes of spaces open to the sea may be excluded from the total volume.
- (4) In accessible masts, king posts, air trunks and similar erections outside of and separated on all their sides from enclosed spaces and having cross sectional areas not exceeding one square metre should not be measured. Similarly, independent enclosed spaces of a volume not exceeding one cubic metre shall not be measured.

6. Measurement and calculations:

- (1) All measurement used in the calculation of volumes shall be to the nearest centimetre. Final tonnage figures obtained in accordance with rules 3 and 4 shall be rounded off to the nearest unit without decimals.
- (2) The volumes shall be calculated by one of the methods acceptable to the Chief Surveyor and may be one or a combination of the following methods,—
 - (a) using a suitable computer programme or,
 - (b) using planimeter readings from ship's plans or Bonjean Curve values to obtain sectional areas as per para 1(a), (b) and (c) of Appendix III and use of Simpsons Rules, or
 - (c) by physical measurement of under deck and other spaces in accordance with the provisions of Appendix III.

7. Change of net tonnage:

- (1) When the characteristics of a ship, such as V, Vc, d, N_1 or N_2 as determined in accordance with rules 3 and 4 are altered and where such an alteration results in an increase in its net tonnage as determined in accordance with the provisions of rule 4, the net tonnage of the ship corresponding to the new characteristics shall be determined and shall be applied without delay.
- (2) A ship to which load lines referred to in sub-rule 4(2) (i) and 4(2)(ii) are concurrently assigned shall be given only one net tonnage as determined in accordance with the provisions of rule 4 and that tonnage shall be the tonnage applicable to the appropriate assigned load line for the trade in which the ship is engaged.
- (3) When the characteristics of a ship such as V, Vc, d, N_1 or N_2 as defined in rules 3 and 4 are altered or when the appropriate assigned load line referred to in sub-rule (2) is altered due to the change of the trade in which the ship is engaged and where such an alteration results in a decrease in its net tonnage as determined in accordance with rule 4, a new International tonnage Certi-

ificate (1969) incorporating the net tonnage so determined shall not be issued until twelve months have elapsed from the date on which the current certificate was issued:

Provided that this requirement shall not apply:—

- (a) if the ship is transferred to the flag of another State, or
- (b) if the ship undergoes alterations or modifications which are deemed by the Chief Surveyor to be of major character, such as the removal of a superstructure which requires an alteration of the assigned load line, or
- (c) to passenger ships which are employed in the carriage of large numbers of special trade passengers.

8. Issue of Certificates :

- (1) An International Tonnage Certificate (1969) shall be issued to the owner of every ship 24 metres in length and over, the gross and net tonnage of which have been determined in accordance with these rules in the form set out for such certificate in Appendix IV together with a standard form showing particulars of uniform tonnage calculation in Appendix V.
- (2) An Indian Tonnage Certificate shall be issued in case of any other ship as per Appendix VI together with particulars of uniform tonnage calculations in Appendix V.

9. Remeasurement of tonnage :

Where the tonnage of a ship has been or is deemed to have been ascertained under these rules, the tonnage shall not be altered unless the alteration is made in the form or capacity of the ship or it is discovered that the tonnage has been erroneously computed, and in either of these cases, the ship shall be re-measured and its tonnage ascertained in accordance with these rules.

10. Deck cargo and cargo in other spaces :

(1) If any ship other than a ship exclusively engaged in trading between any port or place in India carries any deck cargo or cargo in spaces not included in the computation of net tonnage, the tonnage of space so utilised for carrying cargo shall be measured in the manner specified in Schedule I and added to the relevant tonnage of the ship and the levy of dues based on ship's register tonnage.

(2) The tonnage of spaces referred to in sub-rule (1) shall be ascertained by a surveyor or by an officer of the customs referred to in section 3 of the Customs

Act, 1962, in the manner directed in Schedule I and when so ascertained shall be entered by him in ship's official log book and also in a memorandum which he shall deliver to the Master and the Master shall, when any dues are demanded on ship's tonnage produce that Memorandum in the like manner as if it were ship's Certificate of Registry or in the case of a ship other than an Indian ship, a document equivalent to a Certificate of Registry.

11. Tonnage ascertained in foreign countries :

(1) Where the tonnage of a ship has been ascertained in accordance with the rules in force in a foreign country which has adopted the International Convention on Tonnage Measurement or in accordance with the rules which are substantially similar to these rules, the Central Government may accept the tonnage specified in the certificate of registry issued by that country in the same manner, to the same extent and for the same purpose as the tonnage indicated in the certificate of registry issued under these rules.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the Central Government may, if it is of opinion that the tonnage of any foreign ship as ascertained by the rules of the country to which she belongs differs materially from the tonnage of that ship as it would be if it is measured under these rules, direct that the ship shall be re-measured and her tonnage ascertained in accordance with these rules.

12. Suez Canal and Panama Canal Tonnage Certificate :—

If a request is received from a shipowner for measurement of a ship for Suez Canal or Panama Canal Tonnage Certificate, the ship may be re-measured and her tonnage ascertained in accordance with the rules issued by the Suez Canal or Panama Canal authorities.

13. Fees :

Fees shall be levied under rules at the rates and for the purposes specified in Schedule II.

14. Repeal and Saving :

On the application of these rules to the ships of the description specified in clauses (a), (b) or (c) of sub-rule (3) of rule 1, the Merchant Shipping (Tonnage Measurement of Ships) Rules, 1960, in its application to such ships, shall stand repealed :

Provided that other existing ships referred to in clause (d) of the said sub-section, shall continue to be governed by the provisions of the Merchant Shipping (Tonnage Measurement of Ships) Rules, 1960 until the 18th July, 1994, as if the said rules had not been repealed.

APPENDIX - I

FIGURES REFERRED TO IN RULE 2 (9)

IN THE FOLLOWING FIGURES: O = EXCLUDED SPACE

C = ENCLOSED SPACE

I = SPACE TO BE CONSIDERED AS AN
ENCLOSED SPACE

HATCHED IN PARTS TO BE INCLUDED AS ENCLOSED SPACES

B = BREADTH OF THE DECK IN WAY OF OPENING. IN SHIPS

WITH ROUNDED GUNWALES, THE BREADTH IS MEASURED
AS INDICATED IN FIGURE 11.

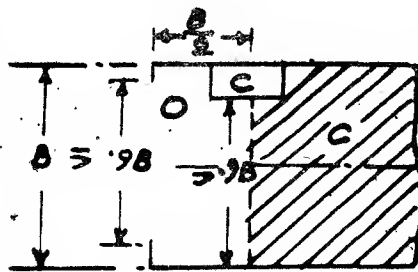


FIG. 1

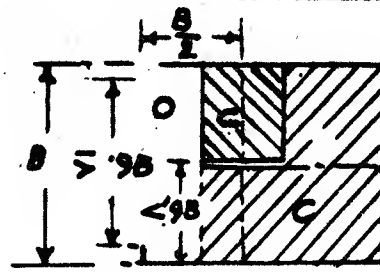


FIG. 2

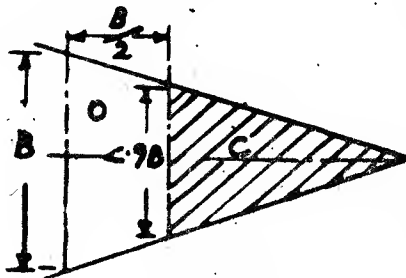


FIG. 3

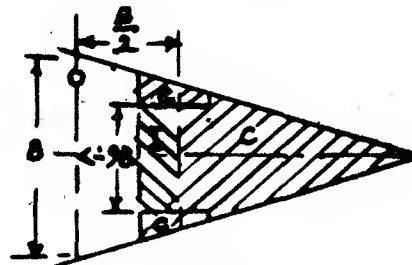


FIG. 4

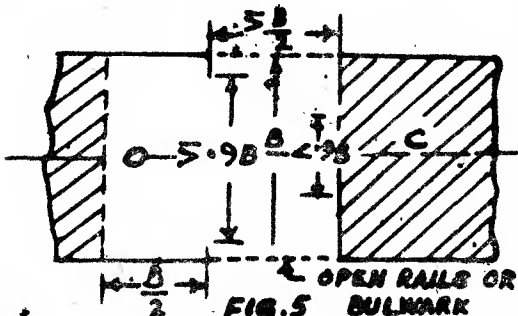


FIG. 5

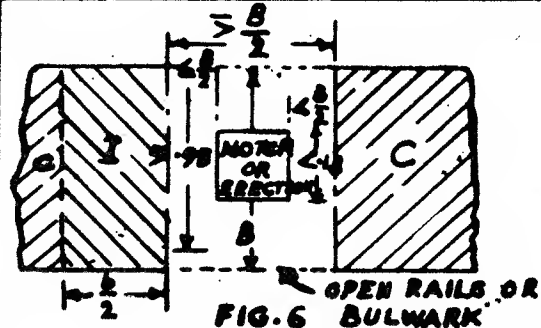
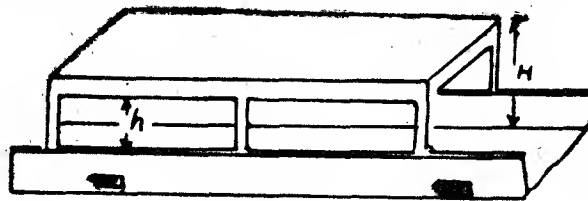


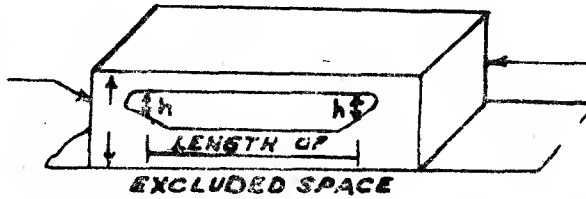
FIG. 6



$h \geq \text{AT LEAST } \frac{H}{3} \text{ OR } 0.75 \text{ m. WHICHEVER IS GREATER.}$

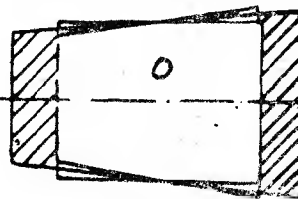
FIG. 7

THWART SHIP CLOSED

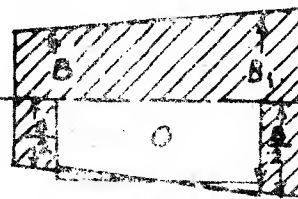


THWART SHIP CLOSED

$h \geq \text{AT LEAST } \frac{H}{3} \text{ OR } 0.75 \text{ m. WHICHEVER IS GREATER.}$

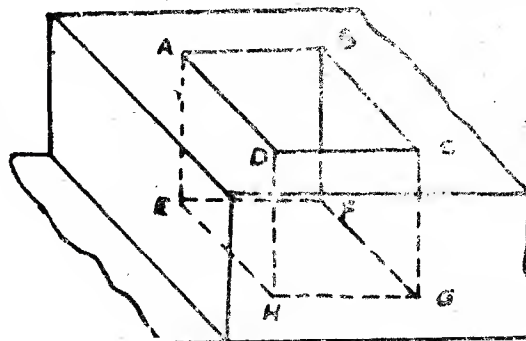


OPPOSITE SIDE OPENINGS



OPENING ON ONE SIDE ONLY

FIG. 8



A B C D = OPENING IN THE DECK
SPACE ABCDEFGH SHALL BE
EXCLUDED FROM ENCLOSED
SPACE

FIG. 9

$2 < 2W_2$

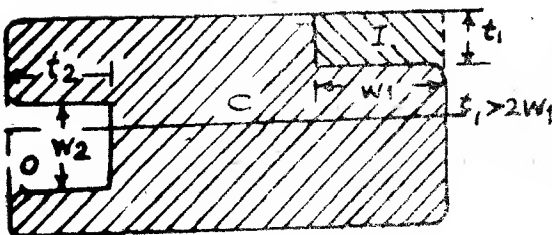


FIG. 10

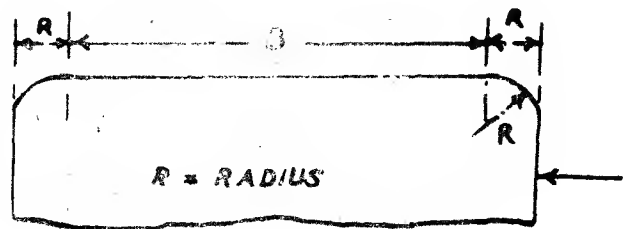


FIG. 11

APPENDIX II

COEFFICIENTS K_1 AND K_2 REFERRED TO IN RULES 3 AND 4or V_c —Volume in cubic metres

V or V_c	K_1 or K_2	V or V_c	K_1 or K_2	V or V_c	K_1 or K_2	V or V_c	K_1 or K_2
10	0.2200	45000	0.2931	330000	0.3104	670000	0.3165
20	0.2260	50000	0.2940	340000	0.3106	680000	0.3166
30	0.2295	55000	0.2948	350000	0.3109	690000	0.3168
40	0.2320	60000	0.2956	360000	0.3111	700000	0.3169
50	0.2340	65000	0.2963	370000	0.3114	710000	0.3170
60	0.2356	70000	0.2969	380000	0.3116	720000	0.3171
70	0.2369	75000	0.2975	390000	0.3118	730000	0.3173
80	0.2381	80000	0.2981	400000	0.3120	740000	0.3174
90	0.2391	85000	0.2986	410000	0.3123	750000	0.3175
100	0.2400	90000	0.2991	420000	0.3125	760000	0.3176
200	0.2460	95000	0.2996	430000	0.3127	770000	0.3177
300	0.2495	100000	0.3000	440000	0.3129	780000	0.3178
400	0.2520	110000	0.3008	450000	0.3131	790000	0.3180
500	0.2580	120000	0.3016	460000	0.3133	800000	0.3181
600	0.2556	130000	0.3023	470000	0.3134	810000	0.3182
700	0.2569	140000	0.3029	480000	0.3136	820000	0.3183
800	0.2581	150000	0.3005	490000	0.3138	830000	0.3184
900	0.2591	160000	0.3041	500000	0.3140	840000	0.3185
1000	0.2600	170000	0.3046	510000	0.3142	850000	0.3186
2000	0.2660	180000	0.3051	520000	0.3143	860000	0.3187
3000	0.2695	190000	0.3056	530000	0.3145	870000	0.3188
4000	0.2720	200000	0.3060	540000	0.3146	880000	0.3189
5000	0.2740	210000	0.3064	550000	0.3148	890000	0.3190
6000	0.2756	220000	0.3068	560000	0.3150	900000	0.3191
7000	0.2769	230000	0.3072	570000	0.3151	910000	0.3192
8000	0.2781	240000	0.3076	580000	0.3153	920000	0.3193
9000	0.2791	250000	0.3080	590000	0.3154	930000	0.3194
10000	0.2800	260000	0.3083	600000	0.3156	940000	0.3195
15000	0.2835	270000	0.3086	610000	0.3157	950000	0.3196
20000	0.2860	280000	0.3088	620000	0.3158	960000	0.3196
25000	0.2880	290000	0.3092	630000	0.3160	970000	0.3197
30000	0.2895	300000	0.3095	640000	0.3161	980000	0.3198
35000	0.2909	310000	0.3098	650000	0.3163	990000	0.3199
40000	0.2920	320000	0.3101	660000	0.3164	1000000	0.3200

Coefficient K_1 or K_2 at Intermediate values of V or V_c shall be obtained by linear interpolation.

APPENDIX III

(Measurement and Calculations)

[See rule 6]

1. Calculations of Volume

- (a) The length of the upper deck shall be measured in a straight line in the middle plane of the ship between the points at the forward and after ends of the deck where the underside of the deck or line of continuation thereof in way of breaks or discontinuities of the deck meets the inner side of the shell in ships constructed of metal or meets the outer surface of the hull in ships constructed of any other material. Such length shall be referred to as the "tonnage length".
- (b) The volume under the upper deck to be measured in three parts where the length of the foremost and aftermost parts shall be taken as twenty five per cent of the Tonnage length, TL.
- (c) Each of the three parts of the Tonnage Length shall be divided into equal parts as shown in the following table (see Fig. 1).

Tonnage Length TL in metres	Forward 25% TL and after 25% TL	Centre 50% TL
<60	4	4
> 60=120	6	6
> 120	8	8

- (d) The Tonnage Depth of a transverse section shall be the distance from the underside of the Tonnage Deck at Centreline to the upper side of the keel or bottom plating in ships built of metal, to the underside of the kee rabbet in ships built of wood and to the outside of the hull in ships built of other material corrected by deducting one-third of the round of beam in the case of ships where the tonnage deck is of parabolic form or in other cases an equivalent deduction based on equal areas.
- (e) The Tonnage Depth as defined in (d) and taken at amidships of the total tonnage length TL shall be divided into 5 equal parts where the depth is 6 metres or less, into 7 equal parts where the depth exceeds 6 metres but is less than 12 metres and into 9 equal parts where the depth exceeds 12 metres.
- (f) The bottom part of each transverse section to be further subdivided into 4 equal parts (see Fig. 2).
- (g) The volume of each separate cargo space in a hold or superstructure bounded by deck, shell, longitudinal and/or transverse bulkheads as the case may be, shall be measured separately and generally in accordance with the method of measurement of the underdeck.
- (h) The space below the top of floor line of cargo ships with single bottoms to be included in the measurement of the cargo space irrespective of whether there is any ceiling fitted on top of the open floors.
- (i) Superstructures such as poop, Bridge or Forecastle shall be measured generally in accordance with the method of measurement of the underdeck.

2. Such construction as a bulbous bow, unusual shaped stem, stern and shaft bosting shall be measured separately as an appendage by any practical method acceptable to the Chief Surveyor and the volume added to the underdeck volume.

3. Spaces open to the sea and located below the load water line such as bow thrust nits, rudder trunks and stabiliser fin openings etc. and spaces open to the sea and weather above the load waterline such as hawse and chair pipes shall be measured and excluded from the gross tonnage and also the net tonnage where applicable.

4. In computation of areas and volumes, Simpson's first rule shall be used except for areas and volumes of geometrically defined spaces which shall be calculated with application of standard geometric formulae.

UNDER DECK

WATER LINE

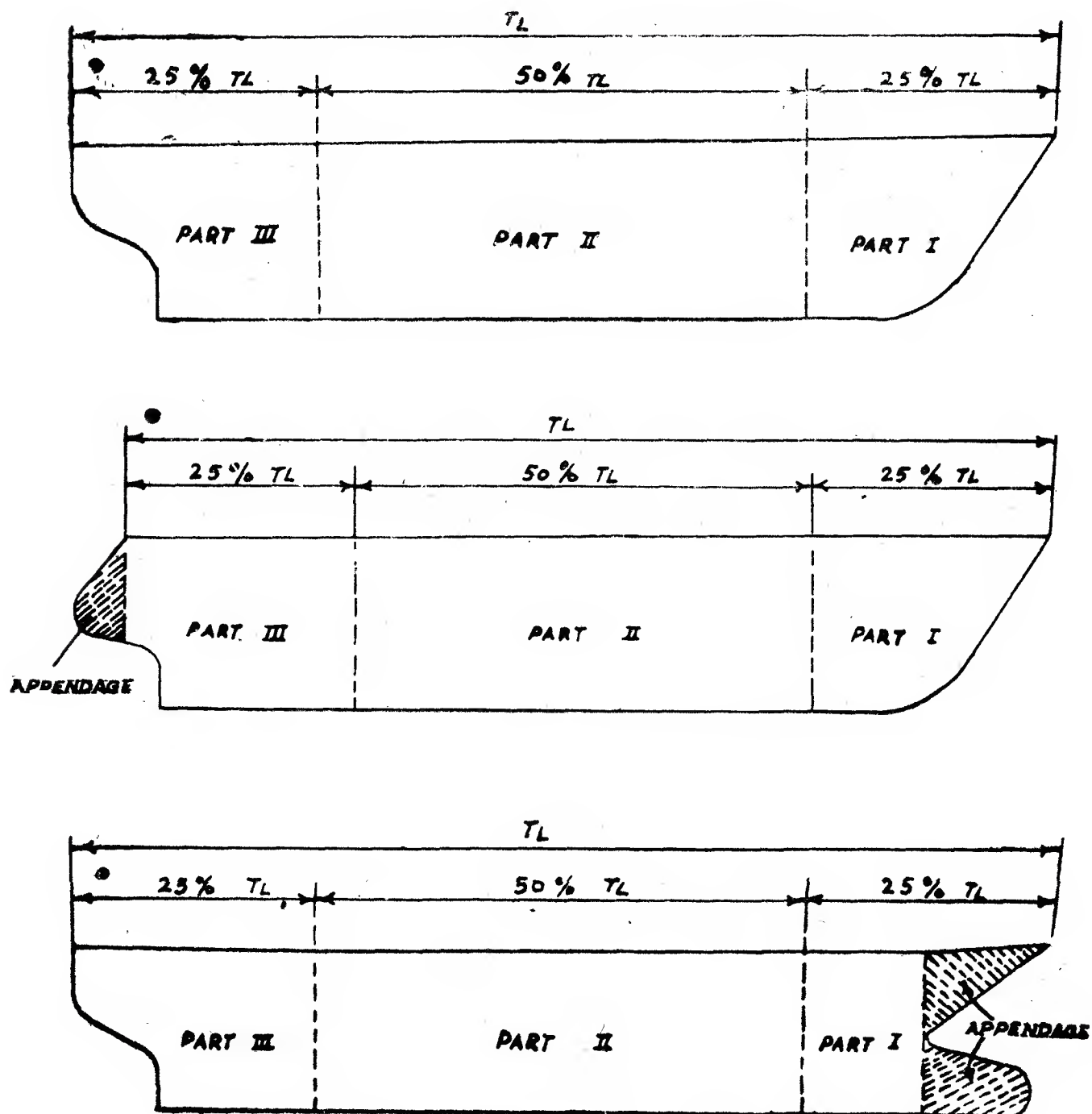
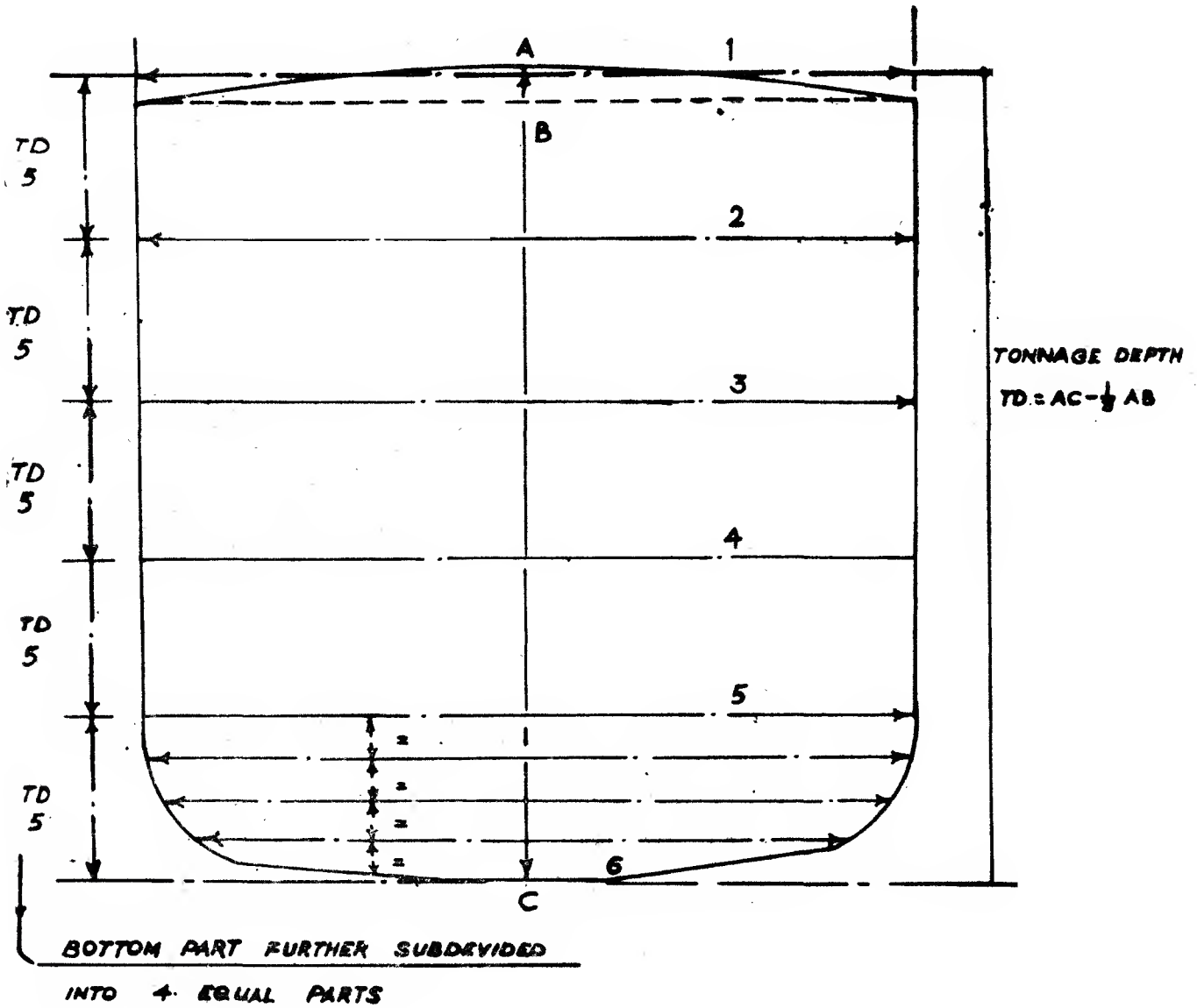
 TL : TONNAGE LENGTH

Fig. 1

MEASUREMENT OF A TRANSVERSE SECTION ~

AB : ROUND OF BEAM (CAMBER)



TONNAGE DEPTH 6 METERS OR LESS THEREFORE DIVIDED INTO 5 EQUAL PARTS, DIVIDED INTO 7 EQUAL PARTS WHERE DEPTH EXCEEDS 6 METERS BUT LESS THAN 12 METERS AND 9 EQUAL PARTS WHERE 12 METERS OR MORE.

APPENDIX IV

[See Rule 8]

Seal

Certificate No.....

INTERNATIONAL TONNAGE CERTIFICATE (1969)

Issued under the provisions of the International Convention on Tonnage Measurement of Ships, 1969, under the authority of the Government of India by the principal Officer, Mercantile Marine Department—

Name of Ships	Distinctive Number or letters	Port of Registry	*Date
---------------	-------------------------------	------------------	-------

*Date on which the keel was laid or the ship was at a Similar stage of construction or date on which the ship underwent alterations or modifications of a major character.

MAIN DIMENSION

Length (Rule 2(m))	Breadth [Rule 2(c)]	Moulded Depth amidship to Upper Deck [Rule 2(0)]
-----------------------	------------------------	---

THE TONNAGES OF THE SHIP ARE

GROSS TONNAGE.....

NET TONNAGE.....

This is to certify that the tonnage of this ship have been determined in accordance with the provisions of the International Convention on Tonnage Measurement of Ships, 1969. Issued at.....on the.....day of19.

The undersigned declares that he is duly authorised by the said Government to issue this Certificate.

Office Stamp
with Address.

PRINCIPAL OFFICER
MERCANTILE MARINE
DEPARTMENT

SPACE INCLUDED IN TONNAGE

GROSS TONNAGE			NET TONNAGE		
Name of Space	Location	Length	Name of space	Location	Length

NUMBER OF PASSENGERS

[Rule 15(1)]

No. of Passengers in cabins with not more than 8 berths:_____

No. of Other Passengers:_____

ENCLOSED SPACES

[Rule 2(h)]

*An asterick should be added to those spaces which comprises both enclosed and excluded spaces.

MOULDED DRAUGHT:_____

[Rule 4(2)]

Date and place of original measurement

Date and place of last previous measurement

REMARKS :

APPENDIX V

[See Rule 8]

PARTICULARS OF UNIFORM TONNAGE CALCULATIONS ANNEX TO INTERNATIONAL
TONNAGE CERTIFICATE (1969) INDIA TONNAGE CERTIFICATE (1986)

GROSS TONNAGE

Item	Name of Space	Location	Length	Moulded enclosed	Volume space
1.	UNDER DECK				
2.	ROOP				
3.	BRIDGE				
4.	FORECASTLE				
5.	ROUND HOUSES				
6.	HATCHES ETC.				
7.	_____				
8.	_____				
TOTAL VOLUME V =					

NET TONNAGE :

1.	HOLD—1				
2.	HOLD—2				
3.	TW-DK—1				
4.	TW-DK—2				
5.	CARGO-TANKS				
6.	HATCHES etc.				
7.	_____				
8.	_____				
TOTAL VOLUME V _c =					

Issued with Certificate No.

Principal Officer
Mercantile Marine Department.

APPENDIX VI

SEAL

[See Rule 8]

INDIAN TONNAGE CERTIFICATE

Issued under the provisions of Merchant Shipping (Tonnage Measurement of Ships) Rules, 1986.

Name of ship	Off. No.	Port of Registry	Date when Keel laid/ Alteration completed/ Remeasured.*
--------------	----------	------------------	---

*State whether keel laid or alteration completed or remeasured.

Length Rule 2(m)	Breadth Rule 2(c)	Moulded depth amidship Rule 2(O)
------------------	-------------------	----------------------------------

GROSS TONNAGE

NET TONNAGE

This is to certify that the tonnages of this ship have been determined in accordance with the provisions of Merchant Shipping (Tonnage Measurement of Ships) Rules, 1986.

Issued at.....

.....19.....

Principal Officer
Mercantile Marine Department.

APPENDIX-VII

[See rule 10]

(1) The cubic capacity of covered or uncovered spaces upon deck or excluded spaces which have not been included in the computation of gross tonnage when used for carriage of cargoes, shall be determined by multiplying the area in square meters of spaces occupied by cargo, as determined in accordance with the provisions of Appendix III by the maximum height of goods in meters. The cubic capacity so arrived shall be divided by 2.83 for determining tonnage of such spaces.

(2) The cubic capacity of any space or spaces in the ships which have been included in the computation of gross tonnage but not in the computation of net tonnage, when used for carriage of cargoes shall be determined by calculating the volume of the whole space in which the cargo is carried. The cubic capacity of the space determined in accordance with the provisions of schedule III shall be divided by 2.83 for determining tonnage of such spaces.

APPENDIX—VIII

[See Rule 13]

- (a) Measurement and issue of International Tonnage Certificate (1969) or Indian Tonnage Certificate
- (i) For one of the following measurements
First measurement of an Indian ship or a foreign ship: Re-measurement, including under deck Tonnage Volume.
Ships not exceeding 50 Gross Tonnage —Rs. 300/-
Ships exceeding 50 Gross Tonnage but not exceeding 100 Gross Tonnage —Rs. 500/-
For each additional or part of 100 Gross Tonnage or above 100 Gross tonnage but not exceeding 20,000 Gross Tonnage. —Rs. 50/-
For each additional or part of 100 Gross tonnage, exceeding 20,000 Gross Tonnage —Rs. 25/-
- (ii) For re-measurements not involving under deck Tonnage volume and issued of International tonnage Certificate (1969) or Indian Tonnage Certificate.
For one of the following re-measurement —Rs. 200/-
Alterations on the upper deck
Appendage. }
Cargo compartment }
Number of and spaces for, passengers }
Water ballast spaces }
Bunker spaces Stores rooms }
—100 for each space measures
- (b) For inspection at the request of owners or by a statutory authority for verification of tonnage and when no re-measurement is required. 300 for each visit of Surveyor
- (c) For measurement of space occupied by cargo under rule 10 Rs. 300 - for each space.
- (d) Measurement of Suez Canal and Panama Canal Tonnage and issue of Certificate.
- (i) For first measurement of a ship for Suez Canal or Panama Canal Tonnage Certificate The fee in (a)(i) based on canal gross tonnage
- (ii) For a Suez Canal and a Panama Canal Tonnage Certificate if the measurements are made at the same time The fee in (a) (i) based on canal Gross Tonnage plus two fifth of that that fee.
- (iii) For re-measurement of a ship following alteration in other than under deck and issue of of certificate. Rs. 200/- plus 100 for each space required to be measured
- (iv) For supply of details of Suez Canal or Panama Canal Tonnage Calculations to an owner. Rs. 200/-
- (e) For issue of each additional copy of International Tonnage Certificate (1969) or India Tonnage Certificate or Suez Canal Tonnage Certificate or Panama Canal Tonnage Certificate. Rs. 100/-

[F.No. SW/5-MSR(ii)/82-MA]

J. C. PANT, Under Secy.